उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक – काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष - 1 ला अंक - १४७ वा शुक्रवार २७ दिसंबर २०२४ RNI TITLE CODE : MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत २ रुपये पन्ने - ४

आर्थिक सुधारों के जनक मनमोहन सिंह नहीं रहे

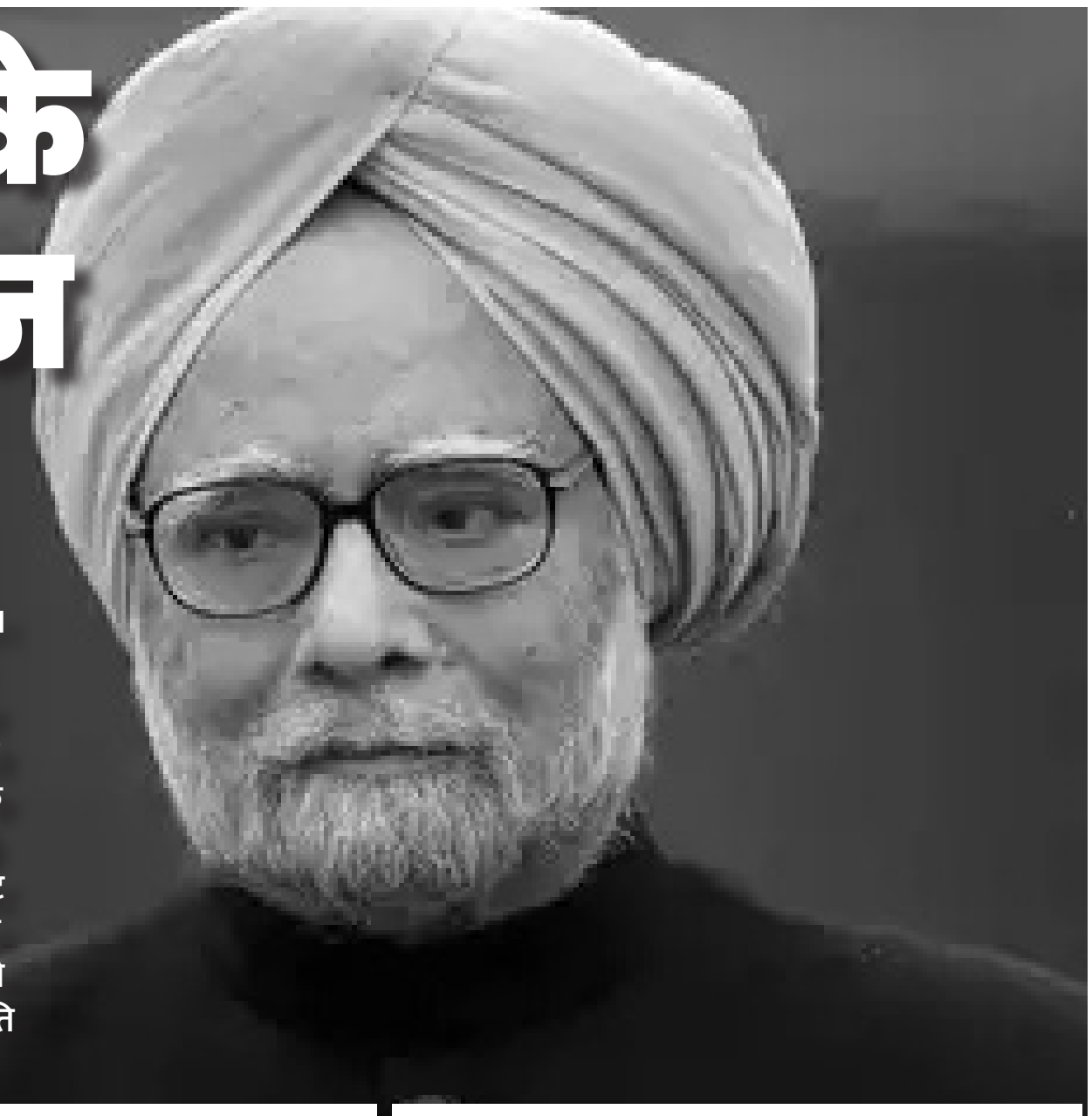

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो गया है। उन्होंने गुरुवार शाम 9.51 मिनट पर दिल्ली के AIIMS में अंतिम सांस ली। सौम्य और मृदुभाषी स्वभाव वाले मनमोहन सिंह भारत में आर्थिक सुधारों का सूत्रपात करने वाले शीर्ष अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री के तौर पर लगातार दो बार गठबंधन सरकार चलाने वाले कांग्रेस के पहले नेता के तौर पर याद किए जाएंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि वह भारत के सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक थे और उन्होंने देश की आर्थिक नीति पर गहरी छाप छोड़ी। प्रधानमंत्री मोदी ने X पर पोस्ट किया, "भारत अपने सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर शोकाकुल है। साधारण परिवार से उठकर वह एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बने। उन्होंने वित्त मंत्री समेत विभिन्न सरकारी पदों पर कार्य किया और वर्षों तक हमारी आर्थिक नीति पर एक गहरी छाप छोड़ी। संसद में उनका हस्तक्षेप भी व्यावहारिक था।"

कांग्रेस के सभी आधिकारिक कार्यक्रम रद्द, पार्टी का झंडा झुका रहेगा

केसी वेणुगोपाल ने लिखा है, 'दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के सम्मान में स्थापना दिवस समारोह समेत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सभी आधिकारिक कार्यक्रम अगले 7 दिनों के लिए रद्द कर दिए गए हैं। इसमें सभी आंदोलन और आउटरीच कार्यक्रम शामिल हैं। पार्टी के कार्यक्रम 3 जनवरी 2025 को फिर से शुरू होंगे। शोक की इस अवधि के दौरान पार्टी का झंडा आधा झुका रहेगा।'

इतिहास आपका दयालुता के साथ मूल्यांकन करेगा- खड़गे

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, निःसंदेह, इतिहास आपका दयालुता के साथ मूल्यांकन करेगा, डॉ. मनमोहन सिंह जी! पूर्व प्रधानमंत्री के निधन से, भारत ने एक दूरदर्शी राजनेता, बेदाग सत्यनिष्ठ नेता और अद्वितीय कद का अर्थशास्त्री खो दिया है। उन्होंने कहा, "आर्थिक उदारीकरण और अधिकार-आधारित उनकी नीति ने करोड़ों भारतीय नागरिकों के जीवन को गहराई से बदल दिया, वस्तुतः भारत में एक मध्यम वर्ग का निर्माण किया और करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला।"

डॉ. मनमोहन सिंह के 5 ऐतिहासिक काम

- **जून 1991:** वैश्वीकरण और उदारीकरण
- **जून 2005:** सूचना का अधिकार
- **सितंबर 2005:** रोजगार गारंटी योजना
- **जनवरी 2009:** पहचान के लिए आधार कार्ड
- **मार्च 2006:** अमेरिका से न्यूक्लियर डील

मनमोहन सिंह RBI के गवर्नर थे फिर 10 साल देश के पीएम रहे

- मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को अविभाजित भारत के पंजाब के गाह (अब पाकिस्तान) में हुआ था। उनके पिता का नाम गुरुमुख सिंह और मां का नाम अमृत कौर था।
- देश के विभाजन के बाद उनका परिवार भारत चला आया। यहां पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने ग्रेजुऐशन और PG पूरा किया। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से Ph.D और ऑक्सफोर्ड से डी. फिल भी की।
- मनमोहन सिंह पंजाब विश्वविद्यालय और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में प्रोफेसर रहे। 1966- 1969 के दौरान संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के लिए आर्थिक मामलों के अधिकारी के रूप में चुने गए थे।
- 1971 में मनमोहन को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किया गया। 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया।
- इसके बाद वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, 1982 से 1985 तक रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान (UGC) आयोग के अध्यक्ष भी रहे।
- 1991 में असम से राज्यसभा सदस्य चुने गए। इसके बाद वह साल 1995, 2001, 2007 और 2013 में फिर राज्यसभा सदस्य रहे।
- 1998 से 2004 तक जब भाजपा सत्ता में थी, तब वही राज्यसभा में विपक्ष के नेता थे। 1999 में उन्होंने दक्षिणी दिल्ली से लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन भाजपा के विजय कुमार मल्होत्रा से हार गए।
- 1991 से 1996 तक प्रधानमंत्री नरसिम्हाराव सरकार में वित्तमंत्री रहे। 2004 और 2009 में 10 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे।
- मनमोहन सिंह के परिवार में पत्नी गुरशरण कौर और तीन बेटियां हैं।

विरोधी भी करते थे तारीफ

देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो गया है। उन्होंने 92 वर्ष की आयु में आखिरी सांस ली। दिल्ली एम्स में उन्हें गुरुवार रात को ही भर्ती कराया गया और रात को उन्होंने आखिरी सांस ली। मनमोहन सिंह की जिंदगी से जुड़े कई किस्से हैं। मनमोहन सिंह के जीवन से जुड़े ऐसे कई किस्से हैं, जब उनके विरोधियों ने भी उनकी तारीफ की थी।

10 साल तक रहे पीएम:

मनमोहन सिंह भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में वर्ष 2004 से 2014 तक 10 वर्षों तक देश का नेतृत्व किया। कभी अपने गांव में मिट्टी के तेल से जलने वाले लैंप की रोशनी में पढ़ाई करने वाले सिंह आगे चलकर एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद बने। मनमोहन सिंह की 1990 के दशक की शुरुआत में भारत को उदारीकरण की राह पर लाने के लिए सराहना की गई। उनकी आर्थिक नीतियों की तारीफ उनके विरोधी भी करते थे।

इस्तीफा देने का बना लिया था मन:

प्रधानमंत्री के रूप में अपने 10 साल के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों पर आंखें मूंद लेने के लिए भी उनकी आलोचना की गई। उनके करीबी सूत्रों की माने तो राहुल गांधी द्वारा दोषी राजनेताओं को चुनाव लड़ने की अनुमति देने के लिए अध्यादेश लाने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले की प्रति फाड़ने के बाद मनमोहन सिंह ने लगभग इस्तीफा देने का मन बना लिया था। उस समय वह विदेश में थे। भाजपा द्वारा मनमोहन सिंह पर अक्सर ऐसी सरकार चलाने का आरोप लगाया जाता था जो भ्रष्टाचार से घिरी हुई थी। बीजेपी ने उन्हें ;मौनमोहन सिंह' की संज्ञा दी थी और आरोप लगाया था कि उन्होंने अपने मंत्रिमंडल में भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ नहीं बोला।

साधारण परिवार में हुआ था जन्म:

अविभाजित भारत (अब पाकिस्तान) के पंजाब प्रांत के गाह गांव में 26 सितंबर, 1932 को गुरमुख सिंह और अमृत कौर के घर जन्मे सिंह ने 1948 में पंजाब में अपनी मैट्रिक की पढ़ाई पूरी की। उनका शैक्षणिक करियर उन्हें पंजाब से ब्रिटेन के कैंब्रिज तक ले गया जहां उन्होंने 1957 में अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी ऑनर्स की डिग्री हासिल की। मनमोहन सिंह ने इसके बाद 1962 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के नाफील्ड कॉलेज से अर्थशास्त्र में 'डी.फिल' की उपाधि प्राप्त की। फर्श से अर्श तक आने की उनकी कहानी की तारीफ उनके विरोधी भी करते हैं।

भारत सरकार में अहम पदों पर रहे:

मनमोहन सिंह वर्ष 1971 में सिंह भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में शामिल हुए। इसके तुरंत बाद 1972 में वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में उनकी नियुक्ति हुई। उन्होंने जिन कई सरकारी पदों पर काम किया उनमें वित्त मंत्रालय में सचिव, योजना आयोग के उपाध्यक्ष, भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमंत्री के सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के पद शामिल हैं। उनके करियर का महत्वपूर्ण मोड़ 1991 में नरसिंह राव सरकार में भारत के वित्त मंत्री के रूप में सिंह की नियुक्ति था। आर्थिक सुधारों की एक व्यापक नीति शुरू करने में उनकी भूमिका को अब दुनिया भर में मान्यता प्राप्त है।

पीएम ने संसद में की थी तारीफ:

आखिरी बार मनमोहन सिंह 7 अगस्त 2023 को संसद में पहुंचे थे। दिल्ली सेवा बिल को लेकर राज्यसभा में बहस चल रही थी। इस बिल के समर्थन में वोटिंग के लिए देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह व्हीलचेयर पर संसद में पहुंचे थे। मनमोहन सिंह के संसद में व्हीलचेयर पर आने पर पीएम मोदी ने उनकी जमकर तारीफ की थी। पीएम मोदी ने कहा था, "उनको पता है कि विजय सरकार की होने वाली है। इसके बावजूद वह व्हीलचेयर पर संसद में आए और वोट किया। मुझे लगता है एक सांसद अपने दायित्व के लिए कितना सजग है, यह उसका उदाहरण है। यह कितना प्रेरणादाई दृश्य है। सवाल यह नहीं है कि वह किसे ताकत देने के लिए वोट देने आए। मैं मानता हूं कि वह लोकतंत्र को ताकत देने के लिए वोट करने आए। इसलिए आज विशेष रूप से मैं उनकी दीर्घायु के लिए प्रार्थना करता हूं। वह निरंतर हमारा मार्गदर्शन करते रहे ऐसी मैं अपेक्षा करता हूं।"

परभणी और बीड़ हत्याकांड को दबाने का मुख्यमंत्री द्वारा प्रयास: नाना पटोले का आरोप

मुंबई : परभणी और बीड़ की घटनाओं पर सभी स्तरों से कार्रवाई की मांग की जा रही है, लेकिन महायुती सरकार इस मामले में गंभीर नहीं है। सरकार कार्रवाई की बात कर रही है, लेकिन सच्चाई को स्वीकारने के लिए तैयार नहीं है। ऐसे में जांच से क्या नतीजा निकलेगा, यह पहले से ही स्पष्ट है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले

ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री परभणी और बीड़ हत्याकांड को दबाने का प्रयास कर रहे हैं।
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दो दिवसीय नव सत्याग्रह कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पटोले बेलगाम पहुंचे। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि परभणी में अंबेडकरवादी विचारधारा से जुड़े एक शिक्षित युवक की पुलिस की पिटाई से मौत हुई, जो स्पष्ट रूप से पुलिस द्वारा की गई हत्या है।
बीड़ में सरपंच संतोष देशमुख की नृशंस हत्या की गई।
इन दोनों घटनाओं पर जनता और सत्ताधारी दल के लोगों ने सच्चाई को सामने रखा है, लेकिन भाजपा युती सरकार इसे मानने से इंकार कर रही है।
पटोले ने कहा कि यह सरकार प्रायोजित है, इसलिए भले ही सीआईडी जांच हो, इससे कुछ भी निष्कर्ष नहीं निकलेगा।
उन्होंने आगे कहा कि देश में तानाशाही शुरू हो चुकी है, और इसी पृष्ठभूमि में बेलगाम में हो रहा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का दो दिवसीय विशेष अधिवेशन कांग्रेस पार्टी और देशवासियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

सभी विभाग 100 दिन की योजना के तहत ठोस कार्य करें

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश

मुंबई : राज्य के समग्र विकास के लिए अगले 100 दिनों की योजना तैयार की जा रही है। इसमें जन-केंद्रित योजनाओं, तकनीकी के उपयोग से नागरिकों को आसानी से लाभ देने वाली योजनाओं और राज्य को विकास के शिखर पर ले जाने वाले कार्यों को शामिल किया जाना चाहिए। ऐसे निर्देश मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिए और सभी विभागों को 100 दिन की योजना के तहत ठोस कार्य करने के लिए कहा।
सह्याद्री अतिथिगृह में उच्च और तकनीकी शिक्षा, वन और कृषि विभाग के अगले 100 दिनों की योजना के संबंध में आयोजित बैठक में फडणवीस ने समीक्षा की।
फडणवीस ने वन विभाग को सुझाव दिया कि वन्य जीव और मानव संघर्ष को कम करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए उपाय किए जाएं।
उन्होंने कहा कि संघर्ष की स्थिति में तेजी से मदद के लिए त्वरित बचाव दल का गठन किया जाए। इस दल को उच्च

स्तर का प्रशिक्षण दिया जाए।
100 दिन की योजना में ऐसे उपाय शामिल किए जाएं।
उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण को एक स्थायी संस्कृति के रूप में विकसित किया जाए और इस योजना के माध्यम से लोगों का जीवन बेहतर बनाने का प्रयास किया जाए।
उन्होंने यह भी कहा कि तेंदुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए जरूरत के अनुसार उन्हें अन्य राज्यों के अभयारण्यों में स्थानांतरित करने की व्यवस्था की जाए। तेंदुआ संरक्षण केंद्रों की क्षमता बढ़ाई जाए। विभाग को कार्बन क्रेडिट कंपनी स्थापित करने के लिए नीति तैयार करनी चाहिए। शहरी क्षेत्रों में वनीकरण बढ़ाने के लिए मियावाकी वृक्षारोपण पद्धति को अपनाने का सुझाव दिया।
कृषि विभाग को अपनी योजना में किसानों को केंद्र में रखकर योजनाओं का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए। उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग को विदेशी विश्वविद्यालयों को आकर्षित कर शैक्षणिक परिसरों का निर्माण करने पर ध्यान देना चाहिए।
इस बैठक में संबंधित विभागों के सचिवों ने अपनी योजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया। बैठक में मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव विकास खारगे, प्रधान सचिव अश्विनी भिडे, सचिव श्रीकर परदेशी, योजना विभाग के अपर मुख्य सचिव राजगोपाल देवरा, उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव विकासचंद्र रस्तोगी, वन विभाग के प्रधान सचिव वेणुगोपाल रेड्डी, कृषि विभाग की सचिव जयश्री भोज, कौशल विकास विभाग के सचिव गणेश पाटील, वित्त सचिव शैला ए., और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

शिवसेना उपजिल्हा प्रमुख पद पर लोमटे और अंबाजोगाई शहर प्रमुख पद पर गणेश जाधव

शिंदे साहब ने गणेश जाधव जैसे सामान्य कार्यकर्ता को मौका दिया: सचिन मुळूक

बीड : शिवसेना के मुख्य नेता और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसदरत्न श्रीकांत शिंदे के आदेशानुसार, शिवसेना उपनेता अर्जुन खोतकर की सहमति और संपर्क प्रमुख बापूसाहेब मोरे की सिफारिश पर शिवसेना सचिव संजय मोरे ने अंबाजोगाई/केज उपजिल्हा प्रमुख पद पर राजाभाऊ लोमटे, अंबाजोगाई शहर प्रमुख पद पर गणेश जाधव, और जिल्हा सहसंघटक पद पर गजानन मुडेगावकर की नियुक्ति की है।
नियुक्ति के बाद शिवसेना जिल्हा प्रमुख अनिल जगताप, सचिन मुळूक, और स्वप्नील गलधर ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया। इस अवसर पर जिल्हा प्रमुख सचिन मुळूक ने कहा कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ

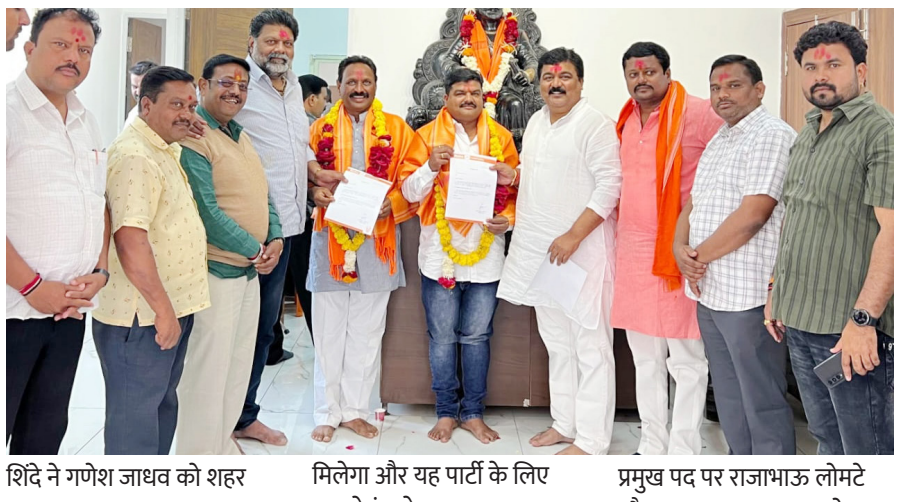

शिंदे ने गणेश जाधव को शहर प्रमुख बनाकर एक सामान्य कार्यकर्ता को मौका दिया है। उन्होंने कहा कि इन नए पदाधिकारियों के माध्यम से केज-अंबाजोगाई विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना संगठन को विस्तार मिलेगा और यह पार्टी के लिए फायदेमंद होगा।
अंबाजोगाई तालुका में शिवसेना के विस्तार के उद्देश्य से इन पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इसमें केज-अंबाजोगाई विधानसभा शिवसेना उपजिल्हा प्रमुख पद पर राजाभाऊ लोमटे और शहर प्रमुख पद पर गणेश जाधव को नियुक्त किया गया है। इसके पहले के शहर प्रमुख ऋषिकेश लोमटे को मेडिकल विंग के जिल्हा अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया था। साथ ही, लंबे समय से खाली पड़े जिल्हा सहसंघटक पद पर गजानन मुडेगावकर की नियुक्ति हुई है।
नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शिवसेना जिल्हा प्रमुख अनिल जगताप, सचिन मुळूक, और स्वप्नील गलधर ने नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनके आगामी कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं।
इस अवसर पर जिल्हा संघटक योगेश नवले, उपजिल्हा प्रमुख संतोष जाधव, बीड विधानसभा प्रमुख सुनील अनभुले, अंबाजोगाई तालुका प्रमुख अर्जुन भाऊ वाघमारे, युवा सेना जिल्हा प्रमुख रवी बडे, गजानन कदम, आकाश वडमारे, हनुमंत हावळे, और अन्य पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

टेनिस में जीता गोल्ड मेडल

मिलिया बॉयज़ हाई स्कूल के छात्र मोहम्मद आकिब ने राष्ट्रीय स्तर पर हासिल की शानदार सफलता

इंदौर (तामीर न्यूज़): मध्य प्रदेश में हाल ही में ६८ वे राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में, मिलिया हाई स्कूल, किला बीड़ के नौवीं कक्षा के छात्र मोहम्मद आकिब ने शुरुआत से ही शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। फाइनल मुकाबले में भी आकिब ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया।
आकिब की इस उपलब्धि ने

न केवल पूरे महाराष्ट्र राज्य, बल्कि बीड़ के निवासियों और उर्दू माध्यम के स्कूलों के लिए भी गर्व का क्षण प्रदान किया है। मोहम्मद आकिब प्रसिद्ध बिज़नेस कोच शेख अनीस रोशन के भतीजे हैं। दैनिक तामीर इस ऐतिहासिक सफलता के लिए आकिब को हार्दिक बधाई देता है।

गुरुकुल पब्लिक स्कूल के खिलाड़ी प्रणव झांबरे का स्कूल राज्य सॉफ्टबॉल चयन परीक्षण के लिए चयन

बीड (प्रतिनिधि):
क्रीड़ा और युवा सेवा संचालनालय महाराष्ट्र राज्य पुणे तथा जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय, छत्रपति संभाजीनगर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 14 वर्ष के बालक/बालिका शालेय विभागीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 8 अक्टूबर 2024 को आर्य चाणक्य विद्याधाम, जटवाडा, छत्रपति संभाजीनगर में किया गया।
इस चयन परीक्षा में गुरुकुल पब्लिक स्कूल के खिलाड़ी प्रणव झांबरे ने भाग लिया और अपनी उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर स्कूल राज्य स्तर चयन परीक्षा के लिए चुने गए। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता और चयन परीक्षा का आयोजन यवतमाल में 27 से 29 दिसंबर के बीच होगा। इसी स्थान पर स्कूल राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता के लिए महाराष्ट्र टीम का चयन भी किया जाएगा।
इस उपलब्धि में सॉफ्टबॉल प्रशिक्षक किशोर काळे सर (राष्ट्रीय खिलाड़ी) का प्रणव झांबरे को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस चयन के लिए जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री अरविंद विद्यागर सर, सॉफ्टबॉल जिला अध्यक्ष दिनकर थोरात सर, सॉफ्टबॉल राज्य क्रीड़ा मार्गदर्शक सतीश राठौड़ सर, रेवनाथ शेलार सर, गुरुकुल स्कूल की प्राचार्या ऋतुजा गाडीवान मैडम ने खिलाड़ी प्रणव झांबरे, प्रशिक्षक किशोर काळे सर और खेल शिक्षिका काशीद मैडम की सराहना करते हुए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शनिवार को होने वाले मोर्चे में सरपंच, उपसरपंच और ग्राम पंचायत सदस्य शामिल हों - कुंडलिक खांडे

बीड (प्रतिनिधि) - मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की नृशंस हत्या के विरोध में शनिवार, 28 दिसंबर को बीड में आयोजित सर्वदलीय मोर्चे में जिले के सभी सरपंच, उपसरपंच, ग्राम पंचायत सदस्य और नागरिकों से शामिल होने की अपील सरपंच-उपसरपंच संघटना के संस्थापक अध्यक्ष कुंडलिक खांडे ने की है।
प्रेस को जारी एक पत्र में कुंडलिक खांडे ने कहा कि मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या अत्यंत क्रूर तरीके से की गई है। इस हत्या के सभी आरोपी और सूत्रधारों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग को लेकर 28 दिसंबर को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर सर्वदलीय मोर्चा आयोजित किया गया है।
खांडे ने कहा कि बीड जिले

बिगाड़ने वाले कौन हैं, इसका पता लगाया जाना चाहिए। अत्यंत गरीब परिवार के सरपंच की हत्या कर जिले में दहशत फैलाने वाले कौन हैं, और इस क्रूर हत्या को अंजाम देने वाले अपराधियों के समर्थक और सूत्रधार कौन हैं, इसका भी पुलिस विभाग को पता लगाना चाहिए। इस सर्वदलीय मोर्चे में जिले के सभी सरपंच, उपसरपंच, ग्राम पंचायत सदस्य और नागरिकों से बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान कुंडलिक खांडे ने किया है।

गुन्हेगार को फांसी की सजा होनी चाहिए

धनंजय मुंडे ने पहली बार दिया बयान

जमीर काज़ी
मुंबई: बीड जिले के मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के कारण विवादों में घिरे मंत्री धनंजय मुंडे, जो पिछले कुछ दिनों से अंडरग्राउंड थे, आज पहली बार मीडिया के सामने आए। सभी स्तरों पर हो रही आलोचना के चलते उन्होंने गुरुवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि देशमुख हत्याकांड के दोषी को फांसी की सजा होनी चाहिए। इस मामले को लेकर कुछ लोग राजनीति करने का प्रयास कर

रहे हैं, लेकिन इस प्रकरण की पूरी तरह पारदर्शी जांच की जानी चाहिए, इस मांग पर वे अडिग हैं।
संतोष देशमुख हत्याकांड
संतोष देशमुख हत्याकांड में वाल्मीक कराड मुख्य आरोपी हैं, जो धनंजय मुंडे के करीबी समर्थक माने जाते हैं। इस कारण से सभी राजनीतिक दलों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यहां तक कि शीतकालीन सत्र में विपक्ष के साथ-साथ भाजपा के सहयोगी विधायक सुरेश धस ने भी मुंडे के खिलाफ कार्रवाई करने और उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने की मांग बार-बार की।
पिछले कुछ दिनों से मीडिया से दूर रहने के बाद, आज धनंजय मुंडे ने सुबह मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात की। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, "वाल्मीक कराड की नज़दीकी सुरेश धस से थी। वह मेरे करीबी हैं, लेकिन मामला दर्ज हो चुका है और पुलिस जांच कर रही है। मैं चाहता हूं कि जांच पूरी पारदर्शिता के साथ हो। सरकार किसी का भी समर्थन नहीं करती। अगर सुबह-सुबह कोई मेरे खिलाफ बोलकर ही अपने दिन की शुरुआत करना चाहता है, तो मैं कुछ नहीं कर सकता।"
उन्होंने आगे कहा, "चाहे मेरा कोई करीबी ही क्यों न हो, दोषियों को सजा जरूर मिलनी चाहिए। यह मामला गंभीर है और इसकी जांच फास्ट-ट्रैक पर होनी चाहिए। दोषियों को फांसी की सजा होनी ही चाहिए।"

कांग्रेस 26 जनवरी से संविधान बचाओ पद यात्रा निकालेगी

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में ऐलान; मनमोहन सिंह के निधन के चलते अधिवेशन रद्द

बेंगलुरु : कर्नाटक के बेलगावी में गुरुवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) की बैठक हुई जिसमें 26 जनवरी 2025 से 'संविधान बचाओ राष्ट्रीय पद यात्रा' शुरू करने का फैसला लिया गया।
बैठक के पहले दिन मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने स्पीच दी। सोनिया गांधी अधिवेशन में शामिल नहीं हुईं, लेकिन उन्होंने पत्र के जरिए कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।
बैठक के बाद पार्टी नेता जयराम रमेश ने बताया, 'हमारा मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा ने कांग्रेस को संजीवनी दी थी। इससे कांग्रेस की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया था। हमने भारत जोड़ो न्याय यात्रा भी निकाली। अब 26 जनवरी से हम एक साल तक चलने वाली 'संविधान बचाओ राष्ट्रीय पद यात्रा' शुरू करेंगे।'
कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा, 'कांग्रेस दिसंबर 2024 से जनवरी 2026 तक लोगों से जुड़े मुद्दों को उठाएगी और जय बापू, जय भीम, जय संविधान, राजनीतिक अभियान शुरू करेगी।
हालांकि, दो दिन का अधिवेशन पहले दिन ही रद्द कर दिया गया है। बुधवार शाम पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के चलते सभी दिग्गज नेता दिल्ली रवाना हो गए हैं।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharash-tra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com

में कानून और व्यवस्था को